प्रवाह

हिन्दी प्रेस क्लब

APOGEE 2023
A HIVEMIND GENESIS
31ST MARCH - 3RD APRIL

दिवस 1 | अंक 1

संपादकीय

लॉकडाउन का नाम सुने अब एक अरसा सा हो गया है। सब कुछ पहले जैसा सामान्य लगता तो है, पर है नही। इस एकांत के कुछ ऐसे भी ज़ख्म हैं, जो अभी तक हरे हैं। उन्हें शायद ही कोई अकेले भर सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण विभाजीकरण है। इन्ही विभाजनों को तोड़ने हेतु अपोजी ने वापसी करी है, एक नए रूप और एक नई थीम के साथ जो कि है "हाइवमाइंड जेनेसिस"। पूरे एक वर्ष और दो फेस्ट के बाद अपोजी ने अपने सभी प्रतिभागियों को एक "एन्क्रिप्टेड डाइमेंसन" की सैर करवाने के बाद एक नई सामूहिक चेतना की उत्पत्ति करवाने जा रहा है। फेस्ट के पहले, सभी CoStAA से बातचीत पर पता चला कि इस वर्ष उनका लक्ष्य सभी का ध्यान तकनीकी पहलुओं की ओर केंद्रित करना है। तकनीकी प्रतियोगिताएं, प्रदर्शनियाँ और अतिथि वक्ता इस प्रयास को पूरा करने में कितने सक्षम रहेंगे यह तो समय ही बताएगा। फेस्ट का उद्घाटन भले ही अब हुआ है, परंतु इससे जुड़े आयोजन पिछले एक सप्ताह से चल रहें हैं। इन सब में बढ़ती उपस्तिथि देख कैम्पस पर फेस्ट के लिए उत्साह महसूस हो रहा है। इस सेमेस्टर का पहला फेस्ट होने के नाते सभी की नज़रें इन आने वाले दिनों पर टिकी हुई है, ख़ास कर जिनका यह कैम्पस पर आखरी पड़ाव है। पिछले वर्ष सीधे महामारी से निपटने के बाद जब फेस्ट हो रहा था, तब देश-विदेश के जाने- माने अतिथि वक्ताओं ऑनलाईन माध्यम से फेस्ट के साथ जुड़े परंतु इस बार सभी को आमने-सामने मिलने का सुनहरा मौका है। पिछले अपोजी और बाकी दोनों फेस्ट से अलग इस बार मनोविश्लेषक सुहानी शाह, बिट्स में पहली बार अपना प्रदर्शन करेंगी। एक तकनीकी फेस्ट में तकनीकी रंग भरने हेतु कैम्पस के ब्रांच अस्सोक एवं टेक टीम ने अपनी प्रतियोगितायों और प्रदर्शन में छात्रों को ही नही परंतु प्रोफेसर्स को भी शामिल किया है। किसी लॉन्स में रोबोट्स टकराएँगे तो कही आसमान में ड्रोन्स लहराएँगे। किसी कक्षा में प्रश्नोत्तर होगा तो किसी में कहानियाँ बनायी जाएँगी। एक स्थान पर सोफ्टवेयर की मदद से कल की समस्याओं का समाधान होगा, तो किसी और स्थान पर आज के दिग्गजों से मुलाकात होगी। कुछ ऐसा ही दृश्य इस फेस्ट का मन में आता है, परन्तु वास्तविकता में क्या होगा, वो तो समय ही बताएगा। पर जो भी हो, सामूहिक चेतना की उत्पत्ति यानी "हाइवमाइंड जेनेसिस" ज़रूर होगा।

अनुक्रमणिका

- RIOT STORY
- मुख्य अतिथि से साक्षात्कार
- विज्ञान या इंसान
- एक नयी सदी में कदम
- बिट्स-सी.बी . आई . में दाखिला
- प्रकाश -एक ऊर्जा का स्रोत
- सौर मंडल का सफर
- जंग लगे रोबोट्स

RIOT STORY

“आज, खुश तो बहुत होगे तुम ?”, क्योंकि अपोजी हिंदी प्रेस इस साल वापिस लेकर आ रहा है पिछले वर्ष की ब्लोकबस्टर प्रतियोगिता “Riot Story”। पिछले वर्ष बेशुमार प्यार, सराहना और सह-भागिता से नवाज़ी गयी इस प्रतियोगिता ने एक अनूठा रूप धारण कर लिया है। इस प्रतियोगिता में कुल 8 – 10 टीमें होंगी, जिनकी योग्यता का मापदंड एक विलोपन प्रतियोगिता होगी जिसका नाम “Mystery box” है। “Mystery box” में सभी प्रतियोगी टीम 3 राउंड खेलेंगे जो वस्तुनिष्ठ और व्यक्तिपरक होंगे। अब आते हैं हमारी मुख्य प्रतियोगिता “Riot Story” पर, यह प्रतिस्पर्धा कल्पना शक्ति रचना शक्ति, कथा कारिता और पार्श्व सोच का एक शानदार मिश्रण है।

‘स्टोरी ’ शब्द पढ़ के इसे को ई साधारण कहानी स्पर्धा मानने की गलती भूल कर भी मत करना। साधारण कहानियों के तत्वों को यह प्रतियोगिता तोड़ कर एक ऐसा रूप देती हैं कि प्रतियोगी समझ नही पाते की इसकी खूबसूरती का आनंद लें या घबराएं क्यूंकि खेल उनकी उम्मीदों से बिलकुल विपरीत है विश्व के हर बड़े खेल के पहले जैसे खेल के तत्वों को बोली लगा कर खरीदा जाता है वैसे ही इस प्रतियोगिता में एक कहानी के तत्वों, जैसे- किरदार, संवा द, स्थान एवं वस्तु, कोटी में बोली लगा कर खरी देंगी, पर रुको, सब्र करो! यह बो ली पैसों के बदले नही परंतु एक ऐसे तत्व के बदले होगी जिसके बिना एक कहानी की रचना करना असंभव है – “समय”। जी हां सही सुना! हर तत्त्व को खरीदने के लिए दिया गया कुछ समय कुर्बान करना होगा , परंतु आप सोचेंगे कि एक कहानी की बोली में भला बड़ी बात क्या हैं? है जनाब, इसलिए ही तो यह प्रतियोगिता सराहनीय बनी। इस कहानी के तत्त्व कोई साधारण तत्त्व नही हैं! जैसे एक पारंपरिक कहानी को तोड़ा गया है वैसे ही हर तत्त्व का अर्थ और कर्त्तव्य इस प्रतियोगिता के सन्दर्भ में वा स्तवि क अर्थ से बिलकुल विपरीत हैं। अब चुनौती यह आती है कि कैसे प्रति योगी इन विभिन्न तत्वों से एक मज़ेदार खिचड़ी बना येंगे। अंत में हरटीम को अपनी कहानी प्रस्तुत करनी हो गी। आयोजकों को गर्व हैं कि इस वर्ष इस प्रतियोगिता को संपन्न बना ने हेतु बिट्स के पूर्व छात्रों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है जो सभीकहानियाँ सुनेंगे और विजेता टी मघोषित करेंगे। यह तो बस एक छोटी सी झलक है इस रोमांच और उतार-चढ़ाव से भरी प्रतियोगिता की। इसके अति रिक्त होने वाले ढेर सारे आनंद, ट्विस्ट और ठहाकों का पता आपको लग ही चूका होगा, जिसका नाम है “Riot Story”।

मुख्य अतिथि से साक्षात्कार

अपोजी 2023 के मुख्य अतिथि IAS एस नागराजन जो वर्त्तमान में चेन्नई के भूमि प्रशासन विभाग के कमिशनर के रूप में कार्यरत हैं। वे बिट्स के 2000 बैच के छात्र रहे हैं तत्पश्चात उन्होनें UPSC 2004 में AIR 1 हांसिल की थी।

प्रश्नः कुछ वर्षों पहले आप भी BITS का हिस्सा थे और वहाँ से आज अपोजी के मुख्य अतिथि तक का सफ़र कैसा था?
उत्तरः वैसे तो अपने कॉलेज में आना हमेशा ही सुखद होता है परन्तु मुख्य अतिथि के रूप मे यहाँ आना अपने आप मे ही एक बेहतरीन अनुभव है।

प्रश्नः तमिलनाडू के शहर तिरुनलवेली से शुरू हुआ एक सफ़र, आज सिविल सेवाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत है , व्यक्तिगत तौर पर आप अपनी यात्रा को कैसे देखते है?
उत्तरः यह एक बेहतरीन और रोमांचित कर देने वाला सफ़र था, मै बेहद भाग्यशाली था जो मैं यह सब कर पाया, चाहे वो बिट्स में आना हो या, प्रशासनिक सेवाओं का हिस्सा बन तमिलनाडू में आकार अपनी सेवाएं देना, निजी तौर पर यह काफ़ी संतोषजनक था।

प्रश्नः बिट्स से हार्वर्ड मे आपने क्या बदलाव देखे, आपने किस प्रकार सामंजस्य स्थापित किया और वो कौनसी चीज़ें हैं जो हार्वर्ड में हैं और बिट्स मे लागू की जानी चाहिए ?
उत्तरः मैं हार्वर्ड में जीवन के काफ़ी अलग समय मे गया थ, जिसका बिट्स मे मेरे द्वारा पढ़े गए स्नातक कोर्स से तुलना करना ठीक नही होगा। फिर भी हम हार्वर्ड से एलुमिनाई एंगेजमेंट के बारे मे काफ़ी कुछ सीख सकते हैं हार्वर्ड मे चलने वाले ज़्यादातर कार्यक्रम एलुमिनाई द्वारा फंड किये जाते हैं। हम और इस देश के ज़्यादातर संस्थान इस बारे में सोच सकते हैं।

प्रश्नः सन 2000 मे बिट्स से पढ़ने के बाद आपने 2004 UPSC में AIR 1 प्राप्त की इस दौरान आपकी मनोस्तिथि कैसी थी, और आपने विषयों का चयन किस प्रकार किया ?
उत्तरः जैसा की आप जानते हैं मुझे सेवाओं मे आने मे काफ़ी समय लगा, तैयारी का एक पहलु है उत्साह बनाये रखना, परीखा का चक्र 18 महीने तक चलता है, इतने लंबे घटनाक्रम मे उत्साह बनाये रखना काफ़ी महत्त्वपूर्ण है। विषयों के बारे में बात करें तो मैंने काफ़ी सारे विषयों को पढ़ा जिनका बिट्स मे पढ़े गए इलेक्ट्रिकल इंजिनीयरिंग से कोई लेना देना नही था। मेरे विचार मे विषयों को पारंगत होने के लिए नही बल्कि सफल होने के इरादे से पढ़ना चाहिए ऐसे कुछ विषय है जिनमे प्राप्तांक आम तौर पर ज़्यादा होते हैं और ये विषय बदलते रहते हैं जिन पर सिविल सेवाओं के छात्र पैनी नज़र रखते हैं।

प्रश्नः परिणाम का दिन हमेशा खास होता है और AIR 1 निश्चित तौर पर ऐतिहासिक उपलब्धि है आपके परिणाम का दिन कैसा था आप अपनी भावनाओं को हमारे साथ साझा करें ?
उत्तरः वो दरअसल मोबाइल फोन से पहले का समय था मैंने अपनी माँ को STD बूथ से फोन किया और उन्हें बताया उस दिन मै एक क्लास मे अपने सहपाठियों के साथ था ओर हमने एक साथ इस खुशी को साझा किया।

प्रश्नः 23 IITs के करीबन 1200 स्टार्टअप्स की तुलना में मात्र 4 BITS कैम्पस ने देश को 1100 से अधिक स्टार्टअप्स दिये हैं? बिट्सियन्स का प्लेसमेंट्स को नज़र अंदाज़ करते हुए आन्त्रेप्रेन्योरशिप की ओर बढ़ते रुझान को आप किस प्रकार देखते हैं? क्योंकि आप बिट्स के पूर्व छात्र रहे हैं, आपका मत इस विषय पर एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

उत्तरः जब आन्त्रेप्रेन्योरशिप का चलन ना के बराबर था, तब भी बिट्स छात्रों का संगठन कौशल अन्य विश्वविद्यालयों से कही आगे था। चाहे वो अपोजी जैसे राष्ट्रीय स्तर तकनीकी आयोजन का सुचारू संचालन करना हो या मेस का संचालन करना हो। इस कार्य कुशलता की साफ़ झलक बढ़ते स्टार्टअप कल्चर में साफ़ देखी जा सकती है। बिट्स कोऑपरेटिव स्टोर, एसोसिएशंस व अन्य छात्र नेतृत्व संगठनो को संचालित करने का सीधा फायदा छात्रों को मिल रहा है। करियर को अलग दिशा देने का यह प्रयास इन तरह की छोटी किन्तु महत्वपूर्ण गतिविधियों से मिश्रित है।

प्रश्नः बिट्स में एक उक्ति काफ़ी प्रसिद्द है, "बिट्स पिलानी, इट्स मेजिक।" आपके अनुसार बिट्स में बिताए गए आपके वो जादुई पल किस प्रकार आपको आपकी सिविल सेवा में काम आये?

उत्तरः आमतौर पर विद्यार्थीगण 17-18 वर्ष की आयु में कॉलेज में दाखिला लेते हैं। कॉलेज के शुरूआती वर्ष छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। साथ ही छात्रों को परिपक्व बनाने में इनका एक आवश्यक स्थान है। बिट्स की कार्य नीति की संरचना विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने में एक अहम पड़ाव रखती है। बिट्स प्रणाली की साप्ताहिक परीक्षाएं व ट्यूट टेस्ट्स का मकसद छात्रों में अनुशासन कायम करने का अच्छा प्रयास है। जिसके कारण छात्रों को सिविल सेवा में फ़ायदा मिलना तय है।

प्रश्नः एक बिट्स एलाम्नाई के रूप में आपको वापस कॉलेज में आकार किस प्रकार के बदलाव देखने को मिले?

उत्तरः मुख्यतः प्रारूपिक व सौन्दर्यात्मक बदलावों के होने से बिट्स की खूबसूरती निश्चित तौर पर बढ़ी है। जब मैं बिट्स में पढता था तब न तो NAB का निर्माण हुआ था, न ही लाइब्रेरी बनी थी। वापस उन रास्तों से गुज़रना पुरानी यादें ताज़ा करता है। केम्पस भ्रमण करने से मुझे कई नवीन व आधुनिक प्रयोगशालाओं के बारे में ज्ञात हुआ। तकनीकी विकास के होने से छात्रों की बौद्धिक क्षमता में साल दर साल वृद्धि देखी गयी है।

प्रश्नः आप अपोजी का आनंद लेने वाले बिटसियंस को क्या सन्देश देना चाहेंगे?

उत्तरः छात्रों को अपोजी का खुल के आनंद लेना चाहिए। अपोजी का मुख्य मकसद ही विचारों का आदान-प्रदान व ज्ञान प्राप्ति होनी चाहिए। भारत-भर से विभिन्न कोलेजों के आये छात्रों को तकनीक का आनंद उठाना चाहिए। शासन-विधि का प्रतिनिधि होने के नाते मैं यही कहना चाहूँगा कि किस प्रकार शासन व तकनीक के मेल से समाज में बेहतरी लायी जा सकती है, इस प्रश्न पर विचार होना चाहिए। इस प्रकार आप समाज को एक बेहतर स्थान बना पायेंगे।

BACK STAGE
SCRIPT दिखाओ हमें।
काम तो करने दो हमें।
M
M
E
VIVAAD PARANME
NAMAK HARAAM
यहाँ से नाम हटा दो हमारे।
BITS AUDI
CENSORED
CID
इसकी cc किसने गिराई।
BOO!

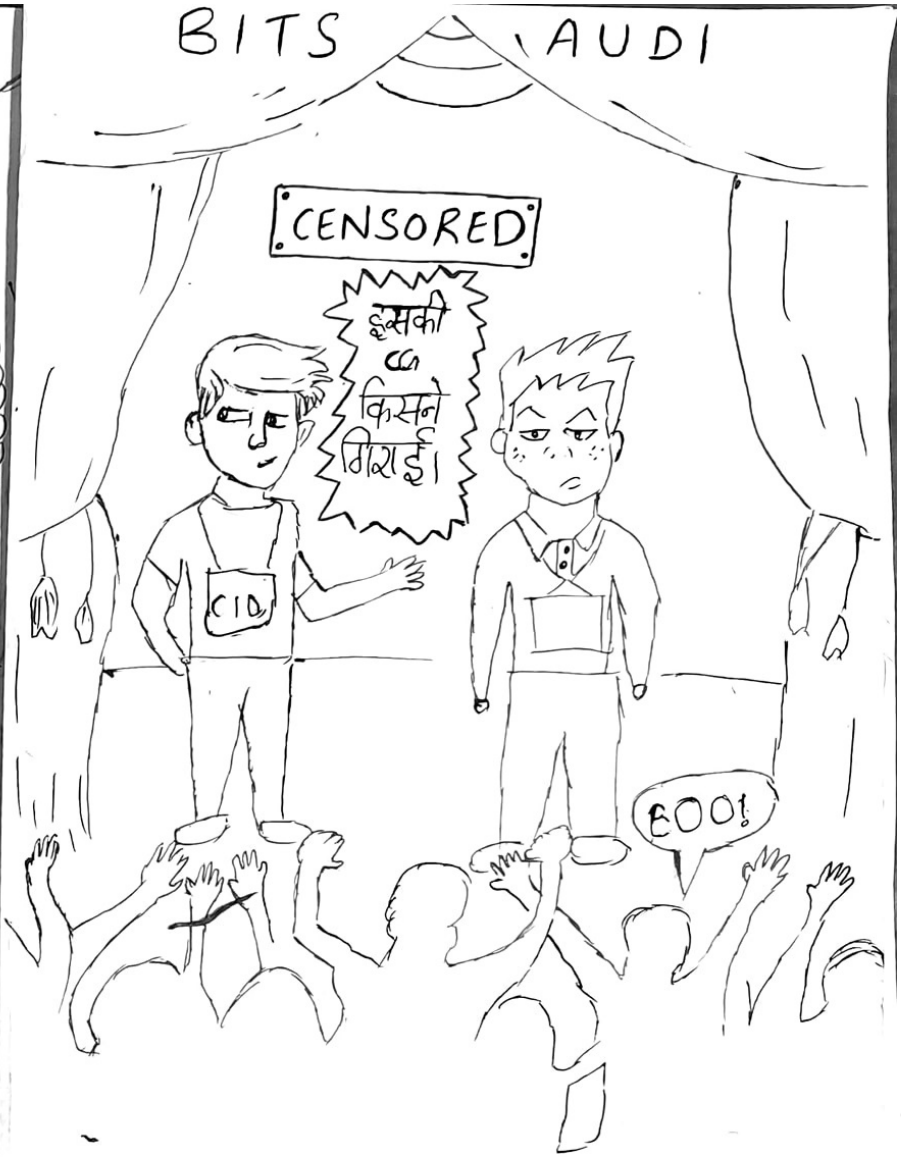

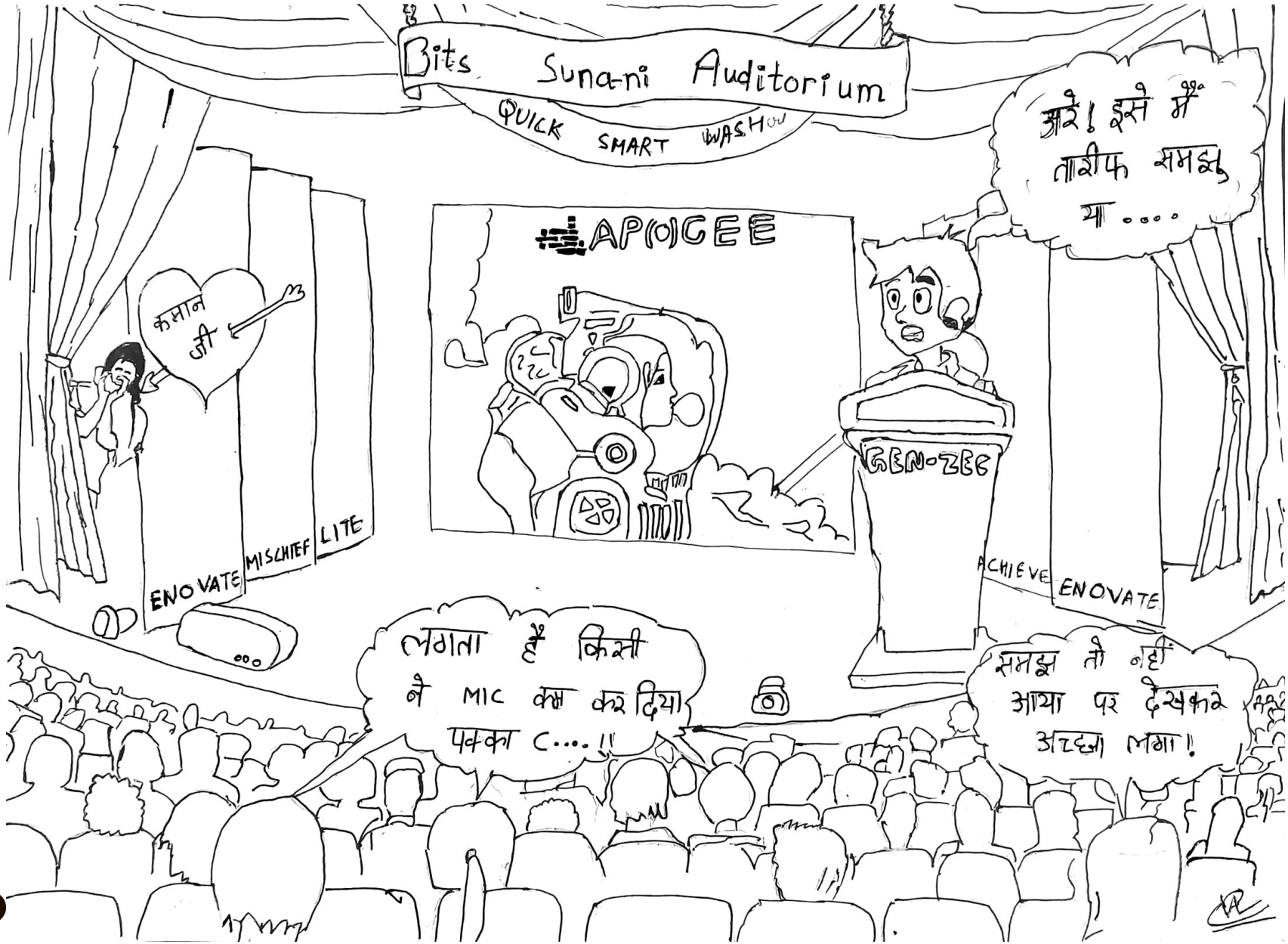

Bits Suna-ni Auditorium
QUICK SMART WASH
APOGEE
कमान जी
ENOVATE
MISCHIEF
LITE
GEN-ZEE
ACHIEVE
ENOVATE
अरे! इसे मैं तारीफ समझू या ....
लगता है किसी ने MIC कम कर दिया पक्का c....!!
समझ तो नहीं आया पर देखकर अच्छा लगा!

एक नयी सदी में कदम

अपोजी 2023 की शुरुआत हो चुकी है और सच मानिये दोस्तों यह काफ़ी शानदार है। 31 मार्च की शाम से बिट्सियन ने जैसे एक नये भविष्य में कदम रखा और इस यात्रा की शुरुवात हमारे संस्थान ऑडी में हुआ।

पुरे ऑडी में अँधेरा था और स्टेज की ओर दर्शकों की आँखे स्थिर थी। पर्दे खींचे गए और पेश हुआ संगीतकारों से सजा हुआ मंच जिन्होंने अपने मधुर और जोशीले प्रदर्शन से लोगों को दिल जीत लिया। बाद में अपोजी के प्रायोजकों(स्पोंसरस) की चर्चा हुई और अनेक विज्ञापन प्रदर्शित हुए, जिनमें से कुछ बिट्स के कुछ सफल स्टार्टअप भी हैं। उनमें से सबसे उलेखनीय था, वालमार्ट जिसके कार्यकर्ता बिट्सियन है। उन्होंने छात्रों को अपनी बिट्स के यात्रा के बारे में बताया और जीवन में कुछ शानदार करने के लिए प्रोत्साहित किया। अपोजी के मुख्य अथिति एस नागार्जन ने अपने भाषण से वहाँ बैठे लोगों का दिल जीत लिय। अभी तक ऑडी पूरी तरह से भर चुकी थ। कार्यक्रम का सबसे मज़ेदार हिस्सा था, कोस्टा का अनोखा और मजाक रूप में स्वागत। इसके बाद छात्र संघ के अध्यक्ष और सचिव ने डायरेक्टर सुधीरकुमार बरई और आईएएस एस नागार्जन को सम्मानित किया गया और विद्याविहार में ज्ञान की ज्योति को उज्वलित रखने की परंपरा को दोहराया गया। अब समय आ गया था सबसे प्रत्याशित कार्यक्रम का, जिसमें बिट्स के ड्रामा क्लब के हास्यपूर्ण काव्य ने पूरे ऑडी को हँसी और ठिठोली से भर दिया। माहौल को और डांस क्लब ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का मन जीत लिया। आश्चर्य की बात तो यह है कि आमंत्रित अतिथियों ने छात्रों के व्यवहार और चाल ढाल को खुद छात्र संघ के सचिव से बेहतर समझ पाए और उनके भाषण को अधिक प्रशंसा तथा तालियों से सरहाया गय। जबकि दूसरी ओर सचिव जी को अपनी बात को ख़त्म ही नही कर पायें। खैर यह बिट्स है और यहाँ अगर चीज़ें योजना के अनुसार होने लगी तो मज़ा कहाँ आएगा, क्योंकि अकल्पना ही अपोजी का सार है। इसमें सोच की कोई क्षमता नही और लगन की कोई कमी नही।

विज्ञान या इंसान

समय था अपोजी का, इवेंट्स ज़ोरो-शोरो से चल रहे थे। अलग-अलग जगह से लोग यहाँ आये थे और माहौल किसी त्योहार से कम नही था। कॉलेज के लगभग सारे क्लब के स्टाल्स परिसर में फैले थे। टेक फेस्ट की थीम के ऊपर रोबोट्स, गाड़ियों के खेल और ड्रोन शो भी होने थे। लॉन्स में रोबोट्स और गाड़ियों की प्रतियोगिताएं चल रही थी और दूसरी ओर रोटुंडा में ड्रोन शो की तैयारियाँ हो रही थी। कुछ देर में सारे शो शुरू हो चुके थे, आसमान में ड्रोन मनमोहक दृश्य दिखा रहे थे। दूसरी तरफ अलग-अलग लॉन्स में कार्स और रोबोट्स अपना जलवा दिखा रहे थे, इनमें से बहुत से स्वचालित भी थे, जिन्हें महीनों की मेहनत से बनाया गया था। कुछ रोबोट इंसानों के काम कर रहे थे, कुछ में आपार शक्ति थी और कुछ में आपार बुद्धि। कुछ देर बाद ज़्यादातर स्वचालित रोबोट्स, कार्स और ड्रोंज़ अचानक बेकाबू हो गए, उन सबकी चाल ज्यों की त्यों रही। लेकिन उन्हें रोकना या कुछ बदलाव लाना मुमकिन नही दिख रहा था। जो कार दौड़ रही थी वो दौड़ती जा रही थी, जो दो रोबोट आपस में लड़ रहे थे, अब भीड़ पर हमला करने जा रहे थे। आकाश में उड़ रहे ड्रोंज़ पूरे परिसर में फ़ैल कर गिर चुके थे। आनंद-उल्लास से भरे फेस्ट में अब भगदड़ और डर का माहौल था। लोग अपने आप को बचाते हुए छुप रहे थे। 200 से ज़्यादा मशीने पूरे कैम्पस में जंगल की आग की तरह फ़ैल रही थी। रोबोट्स को बनाते वक्त उनकी ताकत मनुष्य के मुकाबले 2.5 गुना थी। उन रोबोट्स ने कुछ ही देर में लोगों को बंधक बनाना शुरू कर दिया और उन्हें चोट पहुचानें लगे थे। कुछ लोग बहादुरी दिखा कर उनसे लड़ रहे थे और बाकी लोग हॉस्टल में छुपने के लिए भाग रहे थे। जिन भी चीजों से लड़ा जा सकता था उनका उपयोग करते हुए अपनी रक्षा कर रहे थे, चूंकी वे बहुत शक्तिशाली थे उनसे छुपाना ज़रूरी भी था। बाहर गाड़ियों में भाग कर बचा जा रहा था और किसी उचित जगह पर सब छुप चुके थे। कुछ घंटों बाद बालकनी से देखने पर मालूम पड़ा की रोबोट्स की हलचल लगभग बंद हो चूकी थी और वे ज़मीन पर गिर रहे थे क्योंकि इवेंट के अनुसार ही उनमे बैटरी थी। अब सवाल ये रहता है कि ऐसा हुआ क्यों? जाँच करने पर पता चला कि बहुत सारी मशीनों का प्रचालन करने वाली एक विशेष रेडियो फ्रीक्वेनसी(Frequency) से किया जाता है। बहुत सारी एक ही जैसी रेडियो फ्रीक्वेनसी होने के कारण मशीनों को जाने वाले संदेशो में रुकावटें आने लगी और संपर्क ना साधा जा सका। लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ, लोगों को चोट भी पहुँची। लेकिन अंततः सब सुरक्षित थे, लेकिन ये घटना सबक दे गई कि तकनीकीकरण कभी भी मानव से ज़्यादा समझदार या भरोसेमंद नही हो सकती हैं और ना ही उसे इस काबिल समझा जाना चाहिए। "रचना कभी भी रचियता से बड़ी नही हो सकती"

बिट्स सी.बी.आई. में दाखिला

बड़ी-बड़ी पहेलियों के हल तो बुद्धिमान लोग भी निकल ही लेते हैं। सबसे प्रज्ञशाली वो है, जो मर्डर मिस्ट्री सुलझा पाये। अपोजी 2023 में केमिस्ट्री संघ(असोसीएशन) प्रस्तुत कर रहा है "Whodunnit"। अपोजी समन्वयक, निशांत शरण से बात करने पर उन्होंने बताया कि इस बार करीबन 400 रजिस्ट्रशन आये थे, इसके अलावा ऑन स्पोट रजिस्ट्रशन को मिलाकर कुल 550 प्रतिभागी आये हैं। यह कार्यक्रम दो दिन तक चलने वाला है जिसमें प्रथम दिन प्रत्येक टीम को कुछ क्लूस मिलेंगे, जिनके उत्तर खोजकर एक बॉक्स में डालना होगा। इसके बाद उनको अगली पहेली मिलेगी। अंत में 12 टीम्स अगले राउंड में पहुंचेंगी। इस राउंड में करीबन तीन क्राइम सीन दिए जायेंगे, जिसमें विजेता टीम को 12000 रूपये का इनाम मिलेगा। प्रतिभागियों का झुण्ड पूरे कैम्पस में फ़ैल गया है। अगले राउंड में हिस्सा लेने हेतु, प्रतिभागी जल्दी जल्दी पहेलियों का हल निकालने की कोशिश कर रहे थे। हड़बड़ी का माहौल छाया हुआ था और प्रतिभागियों से बातचीत करने के बाद पता चला की वे इस कार्यक्रम का अत्यंत आनंद उठा रहे हैं। केमिस्ट्री संघ की व्यवस्थाएं काफ़ी अच्छी थी, जिससे यह कार्यक्रम काफ़ी सुव्यवस्थित रहा। इस कार्यक्रम ने सभी प्रतिभागियों को दो से तीन घंटों तक व्यस्त रखा। इस कार्यक्रम ने अपोजी 2023 की शुरुआत को उत्कृष्ट बना दिया।

प्रकाश -एक ऊर्जा का स्रोत

जिस तरह एक दिया पूरे अँधेरे को समाप्त करने के ताकत रखता है, उसी प्रकार अपोजी 2023 में आयोजित लाइट शो ने पूरे बिट्सियन को एक नई उर्जा से भर दिया। DVM और ADP द्वारा आयोजित यह इवेंट काफ़ी अनूठा और रमणीय था। इसमें रंगीन रौशनी और तकनीक का प्रयोग करके क्लॉक टावर को मानो दुल्हन जैसा सजा दिया गया था और यह दृश्य काफ़ी आकर्षक था। हालाँकि इवेंट शुरू होने में विलंब तो हुई, पर कहते है न सब्र का फल मीठा होता है। इंद्रधनुष के सातो रंगो का प्रयोग करके क्लॉक टावर को प्रकाशित कर दिया गया था और मारियो गेम के चित्रों को भी दर्शाया गया था। इस कार्यक्रम की ख़ास बात यह थी कि बिट्स कि शान क्लोक टावर को एक नया रूप मिल चुका था। कुल मिलाकर इस कार्यक्रम ने अपोजी डे जीरो की शाम को आनंद और उल्लास से भर दिया और कुल मिलाकर आयोजित समिति इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सफल रही।

सौरमंडल का सफर

अपोजी के पहले दिन Astro क्लब ने FD-3 की छत पर नाइट्स वाच कार्यक्रम का आयोजन कराया। इसमें बिट्सियनस के साथ-साथ दूसरे कॉलेजों से आए हुए छात्रों ने भी खास रूचि दिखाई। क्लब के द्वारा कराए गए इस कार्यक्रम से लोगों ने ब्रह्माण्ड के रहस्यों की गहराई में झाँकने की कोशिश की। क्लब के प्रभारियों ने लेज़र की मदद से आए हुए लोगों को अलग-अलग ग्रहों और तारामंडलों के बारे में बताया। साथ ही साथ वहाँ पर एक टेलिस्कोप भी रखा गया था जिसकी सहायता से लोग चाँद और मंगल ग्रह को देख पा रहे थे। इसके अतिरिक्त वहाँ पर एक 200 वर्ष पुराना ऐतिहासिक टेलिस्कोप भी रखा गया था जिसका इतिहास क्लब के मेम्बर्स लोगो को बता रहे थे। इस टेलिस्कोप को महाराजा अजीत सिंह ने लोगों को दान दिया था और स्वामी विवेकानंद ने भी इसकी देख रेख की थी। क्लब द्वारा खगोल शास्त्र और सौरमंडल पर आधारित कई शॉर्ट फिल्म्स दिखाई गईं और लोगों की तस्वीरें खींचने हेतु कई लाइट्स का इंतज़ाम करया गया था । लोगों को क्लब के मेम्बेर्स द्वारा वर्चुअल रियालिटी का भी अनुभव कराया गया था। लोगों ने इस कार्यक्रम का काफी लुत्फ़ उठाया और उनके सौर मंडल और ब्रह्माण्ड को लेकर ज्ञान में वृद्धि हुई। सभी ने तारामंडलों और टेलिस्कोप के इतिहास के बारे में दी गयी जानकारी काफ़ी उत्सुकता से सुनी। इस कार्यक्रम ने वाकई में अपोजी की पहली रत में चार चाँद लगा दिये।

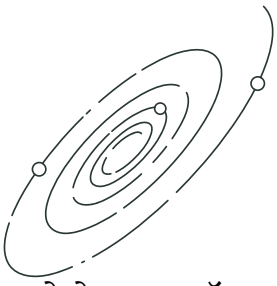

जंग लगे रोबोट्स

रोबोट्स एट वॉर का सुनिश्चित समय 1:30 AM था। परंतु बीएसटी के चलते इसका आरंभ 3:20 AM तक हो सका। इस कारण से अधिकतर लोग जो इवेंट देखने आये थे वे इवेंट शुरू होने से पहले ही निराश होकर चल दिये। स्क्रीन पर स्पष्ट रूप से रोबोट्स नही दिख रहे थे। एक कांच के पिंजरे में रोबोट्स को आपस में लड़ाया जा रहा था। पिंजरा पूर्ण रूप से पारदर्शी नही था शायद इसलिए रोबोट्स ठीक तरह से नज़र नही आ रहे थे। जैसे-जैसे इवेंट आगे बढ़ा ऐसा प्रतीत हो रहा था कि दर्षकों का उत्साह कम होता नज़र आने लगा। यह इवेंट कई तरह की तकनीकी चुनौतियों से भरा हुआ था। हालाँकि प्रतियोगिता में केवल आँठ टीमों ने हिस्सा लिया था परंतु प्रत्येक राउंड में रोबोट्स की जंग की गुणवत्ता में कमी दिख रही थी। हर राउंड 3 मिनट का था किन्तु औसतन 20 सेकंड रोबोट्स की तकनीकी खराबियों को ठीक करने में व्यर्थ हो रहे थे। इवेंट से लोगों को बहुत उम्मीदें थी लेकिन ऐसा लगा मनो यह इवेंट उबाऊ और थकाऊ बन गया था। जिस रोबोट जंग की आस लोगों ने लगाई हुई थी उसका अवलोकन शायद हो नही सका।

ASUS AUTODESK BEARDO EaseMyTrip Learning While Travelling
BeReal. Spheron Continental THIS Premix Coffee Stock Edge Quick Smart Wash
SoundideaZ academy hubhopper RAW Pressery
BOTLAB DYNAMICS Finnapp
router FRENCH FACTOR TOO YUMM! HELL Energy Drink Google Developers
Metvy labbox Samaro

अपोजी हिन्दी प्रेस

परीश्री, हार्दिक, लांबा, अदिति, हेमांग, रेहान, वासु, हर्ष, भूषण

आकाश, आदित्य, ऋत्विक, आर्यमन, सर्वेश, जैनम, आरुषी, आर्ची, निशिका, भव्य, हिमांशी, देव

अमृत, **मल्लिका, सर्वाक्ष**, वैष्णवी, विदित, पुलकित, कामरा, अनुज, अवि, वल

अभिन्नआशीष, एकांश, दिव्यम, कौस्तुभ, हर्ष, रिया, केदार विशेष,मोक्ष, दिवाकर, राहुल, आदित्या, अनुष्का, नमः, कविश, हर्षवर्धन, भाविनी, आरुषी, प्रिशा, रिशव, प्रीतवर्धन